आज की मुरली का सार ---

बाबा ने कहा, जिन बच्चों के मन में रहता हे, बाबा तुम्हीं से बोलूँ, तुम्हीं से बात करूँ.....बाबा भी कहते मैं तुम बच्चों को देख-देख बडा हर्षित होता हूँ.

भक्ति में हम भगवान से यहीं कहते थे, की आप जब आयेंगे तो आप पर वारी जायेंगे, हमारा तन-मन-धन-श्वास-समय-संकल्प-संबन्ध सबकुछ न्योछावर कर देंगे. बाबा कहते हे, मीठे बच्चे मैं आया हूं, 5 हजार वर्ष बाद तुम्हें काले से गोरा बनाने. तुम्हें गुल-गुल बना कर मेरे साथ घर ले जाने.

जो आत्मा को भगवान का संग मिला हो, वो भला दूसरा कोई संग करेगी क्यों? जिसे सच में बाबा का संग महसूस होता हे, वही आत्मा कहती हे, बाबा तुम्हीं से बोलूँ, तुम्हीं से बात करूँ.....

चैकिंग -- अगर मुझे बाबा का संग का अनुभव नहीं होता हे तो हमें खुद में चेक करना हे की मेरी बुद्धि कही साधन, सम्पति, संबन्ध में फंसी हुई तो नहीं हैं?

बाबा का संग अनुभव करने ओर बुद्धि को अन्य बातों से फ्री करने के लिए नीचे बताई हुई ड्रिल बार-बार करो.

"बाबा मेरे साथ हे, बाबा मेरे पास हे."

बाबा मेरे साथ हे --- यानी स्थूल जीवन में बाबा मेरे साथ हे.

बाबा मेरे पास हे --- यानी परमधाम में, बाबा के पास में हूं.

एक सेकंड में बाबा के साथ यहाँ हूं (बाबा मेरे साथ हे), दूसरी सेकंड में बाबा को परमधाम में देखती हूं (बाबा मेरे पास हे).

ॐ शांति.